This question paper contains 2 printed pages.

378

आपका अनुक्रमांक .....

B.A. (Prog.) / II Sem. **B**

FUNCTIONAL HINDI— Paper V

प्रयोजनमूलक हिन्दी— प्रश्नपत्र V

(हिन्दी टंकण एवं आशुलिपि)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक* : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. टंकण की उत्पत्ति तथा विकास का परिचय देते हुये वर्तमान युग में इसके महत्त्व पर प्रकाश डालिये।

अथवा

हिन्दी टंकण एवं आशुलिपि के पारस्परिक संबंध का निरूपण करते हुये आशुलिपि के महत्त्व पर प्रकाश डालिये। 15

2. आशुलिपि के उद्‌भव एवं विकास का उल्लेख करते हुये रेखाक्षरों के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिये।

अथवा

भारत में आशुलिपि के विकास की चर्चा करते हुये आशुलिपि के व्याकरण पर प्रकाश डालिये। 15

3. शब्दचिह्न तथा शब्दाक्षर का अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

अथवा

P. T. O.

आशुलिपि में उपसर्ग तथा प्रत्यय का स्वरूप सोदाहरण स्पष्ट कीजिये। 15

4. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिये:

(क) एम०एस० ऑफिस के विविध वर्ज़नों में टंकण

(ख) वृत्त एवं हुक का सिद्धान्त

(ग) यूनिकोड में टंकण

(घ) आशुलिपि में वाक्य निर्माण

(ङ) कम्प्यूटर के की-बोर्ड की किन्हीं चार महत्त्वपूर्ण कुंजियों के कार्य। 5,5,5

5. निम्नलिखित सामग्री का आशुलिपि में वृत्त लेखन कीजिए:

मान्यवर, मैं एक बात और कहना चाहता हूँ। आप देखें कि आज स्थिति यह है कि एक आदमी खेती भी करता है, वह आदमी वकालत भी करता है, और वह संसद का सदस्य भी बन सकता है। उसके लिये कोई पाबंदी नहीं है। लेकिन दूसरी तरफ बीस करोड़ लोग ऐसे हैं जो कि ग़रीबी की सीमा रेखा के नीचे रहते हैं, जिनको कोई रोज़गार के अवसर उपलब्ध नहीं हैं और मज़दूरी करके अपनी रोज़ी-रोटी कमा पाते हैं। यदि हम इन दोनों स्थितियों की तुलना करें तो क्या सम्पत्ति के अधिकार को सुरक्षित रखते हुये हम इन ग़रीब लोगों को असहाय छोड़ दें जो कि इस देश के असली नागरिक हैं।

अथवा

महीने एवं दिनों के नाम आशुलिपि में लिखिये। 15